Hindi Murli Quiz 02-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **"हम आत्मा बाप से सुनते हैं तो बुद्धि बाप तरफ ही जानी चाहिए। बाप इनके [ब्रह्मा के] बाजू में बैठ हमको नॉलेज देते हैं। उसने इनके शरीर का लोन लिया हुआ है। आत्मा इस शरीर रूपी घर में आकर पार्ट बजाती है। जैसे कि वह अपने को ---------- कर देती है पार्ट बजाने के लिए।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से एक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. अन्डर-हाउस अरेस्ट
B. बन्द
C. कंबाइंड

Q.2) **सभी सही वाक्यों का चयन करें ---**
(उत्तर एक से ज्यादा भी हो सकते हैं)

A. देही-अभिमानी बच्चे अपने को आत्मा समझ एक बाप को प्यार करेंगे।
B. देही-अभिमानी बनने से ही बुद्धि स्वच्छ बनती है।
C. सतसंगों में तो जिज्ञासु सुनते हैं। परन्तु यहाँ आत्मा सुनाती है और परमात्मा सुनते हैं ।
D. बच्चों का प्यार विनाशी शरीरों से नहीं होना चाहिए । देह को देखते हुए भी नहीं देखो ।
E. मूढ़मती बच्चे देह को प्यार करते हैं, देह को ही श्रृंगारते रहते हैं।

Q.3) **बाप कहते हैं मुझे याद करने से ही पावन बनेंगे और कोई को याद किया तो सतोप्रधान बन नहीं सकेंगे। पाप कटेंगे नहीं तो कहेंगे विनाश काले ---------- बुद्धि विनशन्ती। अब तुमको देही-अभिमानी बनना है। एक में ही मोह रखना है। दूसरे कोई में मोह है तो गोया बाप से ----------बुद्धि हैं।**
[एक सबसे सटीक उत्तर से रिक्त स्थान भरें]

A. प्रीत
B. दिव्य
C. अलौकिक
D. विपरीत

Q.4) **अल यह देहधारी ब्रह्मा तुम्हारे सामने है परन्तु तुम इनको नहीं देखो। बुद्धि में याद शिवबाबा की रहनी चाहिए। बाप कहते हैं तुम्हारा लव मुझ एक के साथ होना चाहिए। मैं ही खुद आकर तुम आत्माओं की अपने साथ सगाई कराता हूँ। देहधारी से सगाई नहीं है। अन्य जो भी सम्बन्ध हैं वह देह के, यहाँ के सम्बन्ध हैं। इस समय तुमको देही-अभिमानी बनना है।**

A. True
B. False

Q.5) **जो भी आत्मायें पहले-पहले आती हैं वे पहले सतोप्रधान होती हैं फिर सतो, रजो, तमो में आती हैं। बाप आकर सबको हसीन (सुन्दर) बना देते हैं। जो भी धर्म स्थापन अर्थ आते हैं, वह सब हसीन आत्मायें होती हैं । बाद में काम चिता पर बैठ काली हो जाती हैं। लक्ष्मी-नारायण नम्बरवन में पहले- पहले आते हैं तो सबसे जास्ती सुन्दर बनते हैं। अल क्रिश्चियन लोग भारतवासियों से सुन्दर (गोरे) हैं क्योंकि उस तरफ के रहने वाले हैं परन्तु सतयुग में तो नैचुरल ब्युटी है।**

A. True
B. False

Q.6) **आज के वरदान के अनुसार, जो सदा सन्तुष्ट रहते हैं, उनकी निशानियाँ चयन करें ---**

A. उनके मस्तक से सन्तुष्टता की झलक सदा चमकती रहती है ।
B. उन्हें कोई भी उदास आत्मा यदि देख लेती है तो वह भी खुश हो जाती है ।
C. उनके पीछे स्वत: ही सब आकार्षित होते हैं।
D. उनसे अनेकों को साक्षात्कार होता है ।
E. उनका खुशी का चेहरा चैतन्य बोर्ड बन जाता है जो अनेक आत्माओं को बनाने वाले का परिचय देता है।

Q.7) **शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	इस समय जो जितना देही-अभिमानी रहेंगे ,	वह उतना ऊंच पद पायेंगे।

B	बाबा के शरीर में भी तुम्हारा प्यार नहीं होना चाहिए,	रिंचक मात्र भी नहीं।
C	रावण राज्य में सब मूढ़मती हो जाते हैं,	देह-अभिमान है ना।
D	हुसैन के घोड़े को कितना सजाते हैं, अब महिमा तो हुसैन की है,	जरूर मनुष्य के तन में हुसैन की आत्मा आई होगी ।
E	यह है राजस्व अश्वमेध अविनाशी रूद्र ज्ञान यज्ञ,	अश्व नाम सुनकर उन्होंने फिर घोड़ा समझ लिया है, उनको स्वाहा करते हैं।
F	चोट लगाने वाले का काम है चोट लगाना,	आपका काम है अपने को बचा लेना।

Q.8) **जो बच्चे ज्ञान में भल कितने भी होशियार हों, याद में नहीं रहते तो वह जैसे पण्डित हैं। बाबा पण्डित की एक कहानी सुनाते हैं ना। जिसको सुनाया वह तो परमात्मा को याद कर पार हो गया। बाप को तुम याद करो तो पार हो जायेंगे। सिर्फ मुरली में तीखे होंगे तो पार जा नहीं सकेंगे। सिर्फ ज्ञान होगा, योग नहीं तो विकर्म विनाश नहीं होंगे और ऊंच पद पा नहीं सकेंगे। मूल बात है ही याद की।**

A. ○ False

B. ◉ True

Q.9) **शब्दों को अर्थों के अनुसार ही जोड़ें ---------**

	Choice	Match
A	तुम बच्चों को देही-अभिमानी हो बैठना चाहिए,	मैं आत्मा इस शरीर में विराजमान हूँ।
B	शिवबाबा हमको समझाते हैं,	यह बुद्धि में अच्छी तरह याद रहना चाहिए।
C	भाई से वर्सा नहीं मिलता,	वर्सा हमेशा बाप से मिलता है।
D	बाप कहते हैं मामेकम् याद करो,	रचना के साथ प्रीत मत रखो।
E	बाप के सिवाए और कोई देहधारी को याद करते हो,	तो इसको कहा जाता है देह-अभिमान।

Q.10) **वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही मिलाएं ----**

	Choice	Match
A	बच्चों को याद की यात्रा का चार्ट रखना चाहिए,	देखना चाहिए कि हम बाप को याद करते हैं या और कोई मित्र-सम्बन्धी की तरफ बुद्धि जाती है।
B	बाप कहते हैं मामेकम् याद करो,	मैं तो सभी आशिकों का माशूक हूँ। तो माशूक को याद करना चाहिए ना।
C	और तो सब दुःख देने वाले हैं। कोई काम आने वाले नहीं हैं,	अन्त समय एक परमात्मा बाप ही काम आता है।
D	कोई के भी शरीर के साथ प्रीत होगी तो गिर पड़ेंगे।	चन्द्रवंशी में चले जायेंगे। स्वर्ग सतयुगी सूर्यवंशी राजाई को ही कहा जाता है।
E	पाण्डव और कौरव एक ही सम्प्रदाय के थे, बाकी यादव हैं यूरोपवासी,	जिन्होंने अपने विनाश के लिए यह मूसल आदि बनाये हैं।
F	वहाँ तो सब सुखी ही सुखी रहते हैं,	भल वहाँ फील होता है यह राजा है, हम प्रजा हैं, परन्तु दुःख की बात नहीं।